महाराष्ट्र हिंदी परिषद की पत्रिका

सार्थक उपलब्धि

E-mail : maharashtrahindiparishad@gmail.com Website : http://maharashtrahindiparishad.org

संपादक : **प्रो. डॉ. जिजाबराव पाटील**
अध्यक्ष, महाराष्ट्र हिंदी परिषद,
अध्यक्ष, हिंदी विभाग, श्री शेठ मुरलीधरजी मानसिंगका साहित्य, विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय, पाचोरा

वर्ष : 25
अंक : 27

कार्यकारी संपादक : **डॉ. गजानन चव्हाण**
प्रधान सचिव, महाराष्ट्र हिंदी परिषद,
अध्यक्ष, हिंदी विभाग, श्रीमती गंगाबाई खिवराज घोडावत कन्या महाविद्यालय, जयसिंगपुर

महाराष्ट्र हिंदी परिषद का 29 वाँ अधिवेशन एवं राष्ट्रीय संगोष्ठी

र. भ. अट्टल कला, विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय, गेवराई, जि. बीड (महाराष्ट्र)

(दि. 27 एवं 28 जनवरी, 2023)

मान्यवर आपको यह जानकर प्रसन्नता होगी कि महाराष्ट्र हिंदी परिषद का 29 वाँ अधिवेशन एवं द्वि-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी ''आजादी के पचहत्तर वर्ष का हिंदी साहित्य'' इस विषय पर दि. **27 एवं 28 जनवरी, 2023** को मराठवाड़ा शिक्षण प्रसारक मंड़ल संचालित र. भ. अट्टल कला, विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय, गेवराई, जि. बीड़ में संपन्न होने जा रही है।

मराठवाड़ा शिक्षण प्रसारक मंड़ल सर्वाधिक प्रतिष्ठित शैक्षिक संस्था है । मराठवाड़ा के शैक्षिक पिछड़ेपन को दूर करने के उद्देश्य से श्री. विनायकराव पाटील एवं श्री. दादासाहब सावंत जी ने 'तमसो मा ज्योतिर्गमय' इस आदर्श वाक्य को आधार बनाकर इ.स. 1959 में मराठवाड़ा शिक्षण प्रसारक मंड़ल की स्थापना की । इस संस्था की मराठवाड़ा के छः जिलों में 148 शाखाएँ हैं । जिनमें कला, विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय-15, अभियांत्रिकी एवं व्यवस्थापनशास्त्र महाविद्यालय-2, विधि महाविद्यालय-2, अध्यापक महाविद्यालय-1, औषधनिर्माणशास्त्र महाविद्यालय-1, तंत्रनिकेतन महाविद्यालय-2, कनिष्ठ महाविद्यालय-44, प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालय (मराठी माध्यम)-70, प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालय (अंग्रेजी माध्यम)-6, प्री-स्कूल (अंग्रेजी माध्यम)-5, आदि का समावेश हैं । जिनमें प्रतिवर्ष एक लाख छात्र ज्ञानर्जन करते हैं । मराठवाड़ा के कायाकल्प में इस संस्था का न केवल शैक्षिक बल्कि सामाजिक, सांस्कृतिक, राष्ट्रीय एवं आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान है । इस महत्वपूर्ण योगदान को ध्यान में रखते हुए महाराष्ट्र सरकार ने मराठवाड़ा शिक्षण प्रसारक मंड़ल को सन 2001 में आदर्श शैक्षिक संस्था का पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया है।

र. भ. अट्टल कला, विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय, गेवराई –

मराठवाड़ा शिक्षण प्रसारक मंड़ल संचालित र. भ. अट्टल कला, विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय, गेवराई की स्थापना शिक्षणमहर्षि आदरणीय शिवाजीराव (दादा) पंडीत के दिशा-दर्शन में जून 1971 में हुई । इ.स. 2021 में महाविद्यालय ने अपना सुवर्ण-महोत्सवी वर्ष बड़ी धूम-धाम के साथ मनाया । महाविद्यालय में कनिष्ठ एवं स्नातक स्तर पर कला, विज्ञान एवं वाणिज्य शाखाओं के साथ ही स्नातकोत्तर स्तर पर एम.ए. (राजनीति विज्ञान), एम.एस्सी. (रसायन विज्ञान), एवं एम.कॉम. के अध्ययन एवं अध्यापन की सुविधाएँ उपलब्ध हैं । महाविद्यालय के रसायन विज्ञान एवं वाणिज्य विभाग के अनुसंधान केंद्र द्वारा शोध-कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है । महाविद्यालय में यशवंतराव चव्हाण महाराष्ट्र मुक्त विश्वविद्यालय का केंद्र है, जहाँ छात्रों के लिए बी.ए., बी.कॉम., एम.ए. (लोकप्रशासन) एवं एम.बी.ए. के अध्ययन की सुविधा उपलब्ध है । आज महाविद्यालय में लगभग 4500 छात्र अध्ययन कर रहे हैं।

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय, औरंगाबाद का यह अग्रणी महाविद्यालय है । विश्वविद्यालय की ओर से महाविद्यालय को सन 2017-2018 में आदर्श परीक्षा केंद्र पुरस्कार से सम्मानित किया गया है । महाविद्यालय ISO मानांकन प्राप्त है । महाविद्यालय नैक मूल्यांकन के चतुर्थ चरण की तैयारी कर रहा है । प्रकृति सौंदर्य से भरे-पूरे 11 हेक्टर (28 एकड़) क्षेत्र में महाविद्यालय फैला हुआ है । महाविद्यालय का भव्य क्रीडांगण (इनडोर तथा 400 मीटर रनिंग ट्रैकसहित), समृद्ध ग्रंथालय, छात्रावास तथा आधुनिक तकनीकी सुविधाओं से संपन्न गोदावरी सभागार हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करता है।

छात्रों के सर्वांगिण विकास के प्रति महाविद्यालय प्रतिबद्ध है । अध्ययन, अध्यापन एवं अनुसंधान के साथ ही कला, क्रीड़ा, संस्कृति आदि क्षेत्रों में महाविद्यालय की विशेष पहचान है । महाविद्यालय के पूर्व छात्र आज विभिन्न क्षेत्रों में अपने अमूल्य योगदान से महाविद्यालय का नाम रोशन कर रहे हैं । जिनमें उल्लेखनीय है – नंदू माधव, डॉ. सुधीर निकम, राजकुमार तांगडे (फिल्म एवं कला), डॉ. रणजीत वाधवाणी (वैज्ञानिक-नासा), संतोष गर्जे (समाजसेवा), संजय मगर (प्रशासकीय अधिकारी एवं सॉफ्ट स्किल प्रशिक्षक) आदि।

हिंदी विभाग – महाविद्यालय की स्थापना के साथ ही हिंदी विभाग शुरू हुआ । छात्रों के भाषिक कौशल विकास तथा राष्ट्रभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार हेतु विभाग द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता हैं । अध्ययन, अध्यापन एवं अनुसंधान के क्षेत्र में विभाग का महत्वपूर्ण योगदान रहा है । विभाग द्वारा तीन राष्ट्रीय संगोष्ठियों एवं पाँच उद्बोधन शिविरों का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया है।

पर्यटन स्थल –

1. गेवराई से 21 कि.मी. पर शनि के साड़े तीन शक्ति पीठ में से एक राक्षसभुवन स्थित है।
2. गेवराई से 55 कि.मी. पर संत एकनाथ की कर्मभूमि श्री क्षेत्र पैठण (प्रतिष्ठान) स्थित है।
3. मराठवाड़ा की राजधानी औरंगाबाद ऐतिहासिक शहर है जो गेवराई से 90 कि.मी. पर है । जहाँ बीबी का मकबरा तथा दौलताबाद का किला आदि दर्शनीय ऐतिहासिक स्थल है।
4. शिव के बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक परली वैद्यनाथ गेवराई से 125 कि.मी. पर स्थित है।

मार्ग – धुलिया-सोलापुर राष्ट्रीय महामार्ग क्रं. 52 पर गेवराई स्थित है । जो औरंगाबाद से 90 कि.मी. अंतर पर है।

● अपने सहयोगी हिंदी प्राध्यापकों को आजीव सदस्य बनने के लिए प्रोत्साहित करें । ●
● हिंदी के सभी प्राध्यापक **''हिंदी शोध संदर्भ कोश''** खरीद कर सहयोग दें । ●

परतवाड़ा में संपन्न महाराष्ट्र हिंदी परिषद के 28 वें अधिवेशन एवं अंतरराष्ट्रीय ई-संगोष्ठी का वृत्तांत

भगवंतराव शिवाजी पाटील महाविद्यालय, परतवाड़ा के हिंदी विभाग एवं महाराष्ट्र हिंदी परिषद के संयुक्त तत्वावधान में महाराष्ट्र हिंदी परिषद का 28 वाँ अधिवेशन एवं अंतरराष्ट्रीय हिंदी ई-संगोष्ठी '21 वीं सदी के हिंदी साहित्य में महिला लेखन की भूमिका' विषय पर दि. 17 सितंबर, 2021 को संपन्न हुई ।

इस संगोष्ठी में उद्घाटक के रूप में प्रसिद्ध लेखिका एवं अनुवादक सुश्री माने मर्कत च्यान संस्थापक एवं संचालक अर्मेनियाई सांस्कृतिक केंद्र भारत, अर्मेनिया गणराज्य, प्रमुख अतिथि एवं विशेष वक्ता के रूप में प्रो. डॉ. आनंद प्रकाश त्रिपाठी अध्यक्ष संस्कृत विभाग, पूर्व अध्यक्ष हिंदी एवं भाषा विज्ञान विभाग, डॉ. हरिसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.), बीजभाषक के रूप में प्रो. डॉ. परिमला आंबेकर अध्यक्ष, हिंदी विभाग, गुलबर्गा विश्वविद्यालय कर्नाटक, विशेष वक्ता के रूप में गुरुनानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर पंजाब की डॉ. सुनीता शर्मा उपस्थित थी ।

संगोष्ठी की अध्यक्षता भारतीय विद्या मंदिर, अमरावती के मा. अध्यक्ष प्रो. डॉ. रमेशरावजी बिजवे ने की, प्रमुख अतिथि के रूप में भारतीय विद्या मंदिर, अमरावती के महासचिव मा. यदुराज मेटकर, संगोष्ठी के कार्याध्यक्ष के रूप में महाविद्यालय के प्राचार्य मा. डॉ. राजेंद्र उमेकर, महाराष्ट्र हिंदी परिषद के समस्त पदाधिकारी, संगोष्ठी के संयोजक प्रो. डॉ. अरूण घोगरे, सह संयोजक डॉ. प्रफुल्ल कडू एवं डॉ. नंदकिशोर धोंडगे उपस्थित थे ।

संत गाडगेबाबा अमरावती विश्वविद्यालय परिक्षेत्र तथा म. हि. परिषद की यह प्रथम अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी थी । इसके आयोजन का गौरव भगवंतराव शिवाजी पाटील महाविद्यालय, परतवाड़ा के हिंदी विभाग को प्राप्त हुआ । संगोष्ठी में देश-विदेश से लगभग पाँचसौ से अधिक प्रतिभागी सम्मिलित थे ।

महाराष्ट्र हिंदी परिषद द्वारा इस वर्ष के 'सारस्वत सम्मान' से मरणोपरांत प्रो. डॉ. विकल गौतम (पूर्व अध्यक्ष - हिंदी विभाग, संत गाडगेबाबा अमरावती वि.वि. अमरावती) को सम्मानित किया गया तथा सर्वोत्कृष्ट शोधालेख केरल की सुश्री अर्चना अय्यप्पन को प्रदान किया गया । कार्यक्रम का सूत्र संचालन प्रो. डॉ. अरूण घोगरे ने किया । उद्घाटन सत्र का आभार डॉ. प्रफुल कडू तथा प्रथम एवं द्वितीय सत्र का आभार डॉ. नंदकिशोर धोंडगे ने व्यक्त किया ।

संगोष्ठी के समापन सत्र के उपरांत महाराष्ट्र हिंदी परिषद की आम सभा का सूत्र संचालन डॉ. गजानन चव्हाण ने तथा अध्यक्षता प्रो. डॉ. जिजाबराव पाटील ने की । प्रो. डॉ. अरूण घोगरे ने कृतज्ञता ज्ञापित की ।

इस अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी को सफल बनाने में महाराष्ट्र हिंदी परिषद के पूर्व अध्यक्ष डॉ. मधु खराटे, डॉ. पांडुरंग पाटील, डॉ. चंद्रदेवजी कवडे, प्रो. डॉ. दत्तात्रेय मुरूमकार, प्रो. डॉ. जिजाबराव पाटील, डॉ. विठ्ठलसिंह ढाकरे, डॉ. गजानन चव्हाण, डॉ. राजेंद्र रोटे, प्रो. डॉ. अनिल साळुंखे, प्रो. डॉ. बाबासाहेब कोकाटे, डॉ. देवीदास बामने, प्रो. डॉ. अनिल काळे, डॉ. सुरेश शेळके, प्रो. डॉ. मिथिलेश अवस्थी तथा महाराष्ट्र हिंदी परिषद के समस्त पदाधिकारियों, सदस्यों, हिंदी प्रेमियों और महाविद्यालय के समस्त अध्यापकों एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारियों व छात्रों ने अपना महनीय योगदान दिया ।

-० अधिवेशन हेतु पंजीकरण शुल्क ०-

पंजीकरण शुल्क रु. 1500/- निर्धारित किया गया है । (रु.1200/- संयोजक एवं रु.300/- परिषद सहयोग राशि), छात्र रु. 500/-

निवेदन हैं कि...

महाराष्ट्र हिंदी परिषद के सभी आजीवन सदस्यों से निवेदन है कि वे अपना ई-मेल और भ्रमणध्वनि क्रमांक तुरंत परिषद के ई-मेल पर प्रेषित करे ताकि संपर्क बनाये रखने में सुविधा होगी ।

E-mail : maharashtrahindiparishad@gmail.com

परिषद की Website : http://maharashtrahindiparishad.org

महाराष्ट्र हिंदी परिषद के पुरस्कार एवं सम्मान

1. सारस्वत सम्मान -

महाराष्ट्र हिंदी परिषद के वार्षिक अधिवेशन में परिषद की ओर से सारस्वत सम्मान दिया जाता है । यह सम्मान हिंदी भाषा एवं साहित्य में उल्लेखनीय कार्य हेतु प्रदान किया जाता है । इस पुरस्कार का चयन मा. अध्यक्ष, महाराष्ट्र हिंदी परिषद एवं अधिवेशन के संयोजक की सम्मति से होता है । परिषद की ओर से सम्मानार्थी को रु. 5100/- की राशि और प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा ।

2. उत्कृष्ट शोधालेख पुरस्कार -

महाराष्ट्र हिंदी परिषद के वार्षिक अधिवेशन के अवसर पर 'सार्थक उपलब्धि' वार्षिकांक के लिए भेजे गए आलेखों में से 'उत्कृष्ट आलेख' का चयन कर परिषद की ओर से उसे पुरस्कृत किया जाता है । परिषद की ओर से उत्कृष्ट आलेख हेतु रु. 2100/- की राशि और प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा ।

डॉ. मधु खराटे सहयोग राशि -

महाराष्ट्र हिंदी परिषद के वार्षिक अधिवेशन (ऑफलाइन) की सफलता हेतु डॉ. मधु खराटे (पूर्व अध्यक्ष, महाराष्ट्र हिंदी परिषद) द्वारा अपनी माता जी स्व. पार्वतीदेवी शंकरराव खराटे की स्मृति में **प्रतिवर्ष सहयोग राशि रु. 25,000/-** संयोजक महाविद्यालय को प्रदान की जायेगी ।

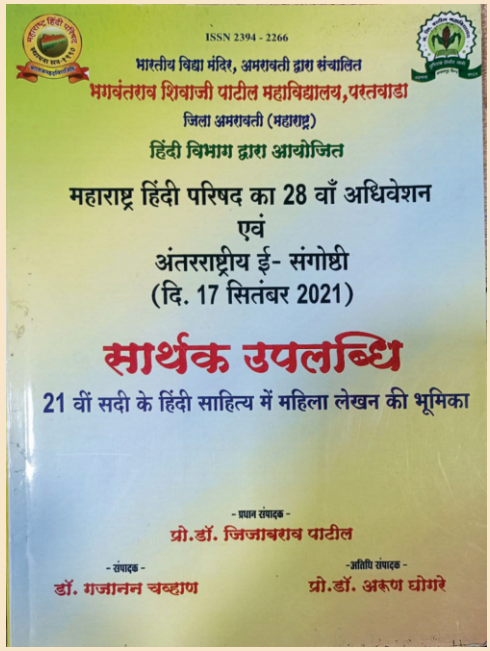

-० संयोजक ०-
प्रोफेसर रजनी शिखरे
-० सह संयोजक ०-
प्रा. संतोष नागरे
भ्रमणध्वनि : 9923432241, 9421651321
दूरभाष (कार्यालय) : 02447-262047

-: संगोष्ठी का विषय :-

''आजादी के 75 वर्ष का हिंदी साहित्य''

उपविषय –

1. आजादी के 75 वर्ष का हिंदी कथा–साहित्य
2. आजादी के 75 वर्ष का हिंदी काव्य
3. आजादी के 75 वर्ष का हिंदी नाट्य साहित्य
4. आजादी के 75 वर्ष का अन्यान्य विधाओं का हिंदी साहित्य

आजादी के 75 वर्ष का हिंदी साहित्य (सन् 1947-2022) पर चिंतन एवं लेखन अपेक्षित हैं।

-० सभा सूचना ०-

परिषद के नियामक मंडल की सभा गेवराई में दि. 26 जनवरी 2023, गुरुवार को सायं. 6.00 बजे आयोजित की गयी है। नियामक मंडल के सभी सम्माननीय सदस्यों की उपस्थिति प्रार्थनीय है।

-: आलेख भेजने हेतु सूचना :-

इस वर्ष शोधालेख Peer - Reviewed and Refereed International Research Journal 'अक्षरा' अंतर विद्याशाखीय पत्रिका (AMRJ) में प्रकाशित किये जायेंगे। जिसका Impact Factor - 5.675 है। शोधालेख भेजने के संदर्भ में कुछ महत्त्वपूर्ण सूचनाएँ निम्न प्रकार हैं –

1. शोधालेख 1500 से 2000 शब्दों में हो।
2. शोधालेख में संदर्भ अनिवार्य हैं।
3. शोधालेख युनिकोड मंगल फाँट / कृतिदेव–10 में हो, जिसका फाँट साईज 14 होना चाहिए। किसी और फाँट में प्रेषित शोधालेख स्वीकार्य नहीं होंगे।
4. शोधालेख की Soft Copy तथा PDF File परिषद के सह संयोजक प्रा. संतोष नागरे के ई–मेल mhprbacg29@gmail.com पर भेज दीजिए।
5. शोधालेख के साथ रु. 1500/- पंजीकरण शुल्क को RTGS / NEFT / ANY APP द्वारा निम्न खाते में जमा करे –
   प्राचार्य, र. भ. अट्टल कला, विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय, गेवराई
   भवानी अर्बन को–ऑप बैंक लि. शाखा– शास्त्री चौक, गेवराई
   खाता क्रमांक 001002100000309, IFSC - ICIC00BHAUC
6. यदि छात्र अपना शोधालेख प्रकाशित करना चाहते है तो रु. **500** / – पंजीकरण शुल्क के साथ रु. **500** / – की राशि अतिरिक्त भेज दे।
7. पंजीकरण राशि के साथ भुगतान की रसीद (फोटो कॉपी) प्रा. संतोष नागरे के Whatsapp No. 9923432241 पर अवश्य प्रेषित करें। अन्यथा शोधालेख प्रकाशित नहीं किया जाएगा।
8. शोधालेख में अपने नाम के साथ Whatsapp वाला मोबाईल नंबर तथा ई–मेल आयडी का उल्लेख अवश्य करें।
9. शोधालेख भेजने की अंतिम तिथि 5 जनवरी 2023 होगी। इसके बाद कोई भी शोधालेख स्वीकार नहीं किया जाएगा।
10. पंजीकरण शुल्क अदा किये बिना कोई भी शोधालेख प्रकाशित नहीं किया जाएगा। अतः पंजीकरण शुल्क अदा करने के उपरांत उसकी भुगतान रसीद संयोजक को प्रेषित करने का कष्ट करें।

महत्त्वपूर्ण सूचनाएँ

- आप स्वयं तथा अपने साथियों को भी अधिवेशन में सम्मिलित कीजिए।
- हिंदी के अधिक से अधिक प्राध्यापकों को परिषद का आजीवन सदस्य बनने हेतु प्रेरित करें।
- पुरस्कार स्वरूप परिषद के पास एकमुश्त ठोस धनराशि भेजकर परिषद को समृद्ध बनाइए।
- परिषद के सदस्य एवं प्रतिभागियों से अनुरोध है कि परिषद द्वारा प्रकाशित हिंदी शोध संदर्भ कोश स्वयं तथा अपने महाविद्यालय के लिए खरीदकर सहयोग प्रदान करें।
- अधिवेशन तथा संगोष्ठी में सम्मिलित होकर सक्रिय योगदान दीजिए।

-: अधिवेशन की स्थूल रूपरेखा :-

शुक्रवार दि. 27 जनवरी, 2023

प्रातः	:	08.30 से 10.00	पंजीकरण तथा जलपान
		10.00 से 12.30	उद्घाटन
दोपहर	:	12.30 से 02.00	बीजभाषण
		02.00 से 03.00	भोजन
		03.00 से 04.30	प्रथम सत्र
		04.30 से 05.30	द्वितीय एवं तृतीय सत्र (समांतर)
सायं.	:	06.30 से 07.30	भोजन
		07.30 से 10.00	सांस्कृतिक समारोह

शनिवार दि. 28 जनवरी, 2023

प्रातः	:	07.30 से 08.30	जलपान
		09.00 से 11.00	चतुर्थ एवं पंचम सत्र (समांतर)
		11.00 से 12.00	खुला अधिवेशन
दोपहर	:	12.00 से 01.00	समापन समारोह (सत्कार / लोकार्पण / पुरस्कार)
		01.00 से 02.00	भोजन

महाराष्ट्र हिंदी परिषद की कार्यकारिणी

❖ अध्यक्ष

प्रो. डॉ. जिजाबराव पाटील

हिंदी विभागाध्यक्ष, श्री शेठ मुरलीधरजी मानसिंगका साहित्य, विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय, पाचोरा, जि. जलगाँव,
भ्रमणध्वनि – 8275588961

❖ उपाध्यक्ष

◆ **प्रो. डॉ. बाबासाहेब कोकाटे**

हिंदी विभागाध्यक्ष, बलभीम महाविद्यालय, बीड
भ्रमणध्वनि – 9545154555

◆ **प्रो. डॉ. अरुण धोंगरे**

हिंदी विभागाध्यक्ष, बी. एस. पाटील महाविद्यालय, परतवाड़ा, भ्रमणध्वनि – 9422858299

◆ **प्रो. डॉ. अनिल काळे**

हिंदी विभागाध्यक्ष, कला, वाणिज्य एवं विज्ञान महाविद्यालय,नारायणगांव, जि. पुणे,
भ्रमणध्वनि – 9860706853

❖ प्रधान सचिव

डॉ. गजानन चव्हाण

हिंदी विभागाध्यक्ष, श्रीमती गंगाबाई खिवराज घोडावत कन्या महाविद्यालय, जयसिंगपुर
भ्रमणध्वनि – 9890277316

❖ कोषाध्यक्ष

प्रो. डॉ. अनिल साळुंखे

हिंदी विभागाध्यक्ष, यशवंतराव चव्हाण महाविद्यालय, करमाला, जि. सोलापुर
भ्रमणध्वनि – 9421023304

❖ संयुक्त सचिव

◆ **डॉ. सुरेश शेळके**

हिंदी विभागाध्यक्ष, कला, वाणिज्य एवं विज्ञान महाविद्यालय, औंढा नागनाथ, जि. हिंगोली
भ्रमणध्वनि – 9422875276

◆ **डॉ. देविदास बामणे**

हिंदी विभागाध्यक्ष, भाऊसाहेब नेने महाविद्यालय, पेण (रायगड) भ्रमणध्वनि – 9623863270

❖ विश्वविद्यालय के सहसचिव

डॉ. महेंद्र रघुवंशी, जलगाँव
डॉ. बाबासाहेब माने, पुणे
प्रो. डॉ. प्रमोद पाटील, औरंगाबाद
प्रो. डॉ. संजय नरवाडे, नांदेड
डॉ. सुमेध नागदेवे, नागपुर
प्रो. डॉ. सुनिल बनसोडे, कोल्हापुर
डॉ. दादासाहेब खांडेकर, सोलापुर
प्रो. डॉ. बालकवि सुरंजे, मुंबई
डॉ. संगिता जगताप, अमरावती
प्रो. डॉ. सुरेश कानडे, मुंबई
प्रो. डॉ. शैलेंद्रकुमार शुक्ल, गडचिरोली

❖ पदेन मनोनीत सदस्य

डॉ. वसंत केशव मोरे, कोल्हापुर
प्रो. डॉ. चंद्रदेव कवडे, औरंगाबाद
प्रो. डॉ. पांडुरंग पाटील, कोल्हापुर
डॉ. मधुकर खराटे, भुसावल
डॉ. राजेंद्र रोटे, कोल्हापुर
डॉ. विठ्ठलसिंह ठाकरे, लासलगाँव

❖ मनोनीत सदस्य

प्रो. डॉ. सुधाकर शेंडगे, औरंगाबाद
प्रो. डॉ. दत्तात्रय मुरुमकर, मुंबई
प्रो. डॉ. अमोल पालकर, बीड
प्रो. डॉ. गोविंद बुरसे, औरंगाबाद

महाराष्ट्र हिंदी परिषद का गौरवशाली प्रकाशन
'हिंदी शोध संदर्भ कोश'

महाराष्ट्र में शोध की पुनरावृत्ति न हो तथा शोध में स्तरीयता लाने हेतु परिषद ने महाराष्ट्र के सभी विश्वविद्यालयों में सन् 2000 तक संपन्न शोध-कार्य पर एक परिपूर्ण संदर्भ कोश बनाने की योजना बनाई थी। अथक परिश्रम से सह कार्य संपन्न हो चुका है। शोधार्थियों तथा शोधनिर्देशकों के लिए यह कोश दिशानिर्देशक तथा ग्रंथालय के लिए संग्राह्य बन चुका है। इस कोश का मूल्य रु. 400/- है। संस्था / ग्रंथालय तथा व्यक्ति को 50% छूट दी जाएगी। सन् 2000 के बाद काफी शोधकार्य संपन्न हुआ है। अतः 'शोध-संदर्भ कोश' का द्वितीय खंड तैयार करना जरुरी है। हर एक महाविद्यालय के ग्रंथालय के लिए इसकी एक प्रति खरीदने से ही 'दूसरा खंड' प्रकाशित करना संभव हो सकता है। अतः प्रतिभागियों से अनुरोध हैं कि वे अपने महाविद्यालय एवं स्वयं के लिए 'हिंदी शोध संदर्भ कोश' खरीदें।

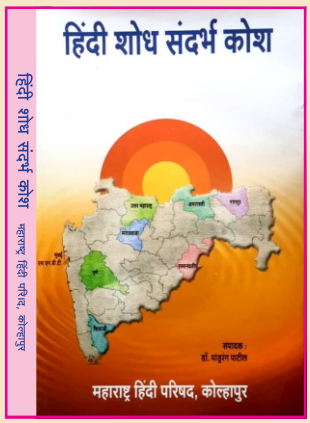

❖ प्रकाशक एवं कार्यकारी संपादक :
डॉ. गजानन चव्हाण
प्रधान सचिव, महाराष्ट्र हिंदी परिषद द्वारा ग्रेशिया अपार्टमेंट, A विंग, F1, पाटील वाडा होटेल के पीछे, पुणे बायपास, सांगली – 416 416
भ्रमणध्वनि – 9890277316

❖ संपादक :
प्रो. डॉ. जिजाबराव पाटील
अध्यक्ष, महाराष्ट्र हिंदी परिषद, अध्यक्ष, हिंदी विभाग, श्री शेठ मुरलीधरजी मानसिंगका साहित्य, विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय, पाचोरा, जि. जलगाँव,
भ्रमणध्वनि – 8275588961